दुर्गा जी की आरती

जय अम्बे गौरी, मैया जय श्यामा गौरी,

तुम को निस दिन ध्यावत,

मैयाजी को निस दिन ध्यावत

हरि ब्रह्मा शिवजी ,

जय अम्बे गौरी ॥

माँग सिन्दूर विराजत टीको मृग मद को, मैया टीको मृगमद को

उज्वल से दो नैना चन्द्रवदन नीको, बोलो जय अम्बे गौरी ॥

कनक समान कलेवर रक्ताम्बर साजे, मैया रक्ताम्बर साजे

रक्त पुष्प गले माला कण्ठ हार साजे, बोलो जय अम्बे गौरी ॥

केहरि वाहन राजत खड्ग कृपान धारी, मैया खड्ग कृपान धारी

सुर नर मुनि जन सेवत तिनके दुख हारी, बोलो जय अम्बे गौरी ॥

कानन कुण्डल शोभित नासाग्रे मोती, मैया नासाग्रे मोती

कोटिक चन्द्र दिवाकर सम राजत ज्योति, बोलो जय अम्बे गौरी ॥

शम्भु निशम्भु बिडारे महिषासुर धाती, मैया महिषासुर धाती

धूम्र विलोचन नैना निशदिन मदमाती, बोलो जय अम्बे गौरी ॥

चण्ड मुण्ड संहारे, शोणित बीज हरे, मैया शोणित बीज हरे

मधु कैटभ दोउ मारे सुर भय दूर करे, बोलो जय अम्बे गौरी ॥

ब्रह्माणी रुद्राणी तुम कमला रानी, मैया तुम कमला रानी

आगम निगम बखानी तुम शिव पटरानी, बोलो जय अम्बे गौरी ॥

चौंसठ योगिन गावत नृत्य करत भैरों, मैया नृत्य करत भैरों

बाजत ताल मृदंग और बाजत डमरू, बोलो जय अम्बे गौरी ॥

तुम हो जग की माता तुम ही हो भर्ता, मैया तुम ही हो भर्ता

भक्तन की दुख हर्ता सुख सम्पति कर्ता, बोलो जय अम्बे गौरी ॥

भुजा चार अति शोभित वर मुद्रा धारी, मैया वर मुद्रा धारी

मन वाँछित फल पावत देवता नर नारी, बोलो जय अम्बे गौरी ॥

कंचन थाल विराजत अगर कपूर बाती, मैया अगर कपूर बाती

माल केतु में राजत कोटि रतन ज्योती, बोलो जय अम्बे गौरी ॥